॥ सुस्वागतम ॥

जय हिन्द जय हिंदी

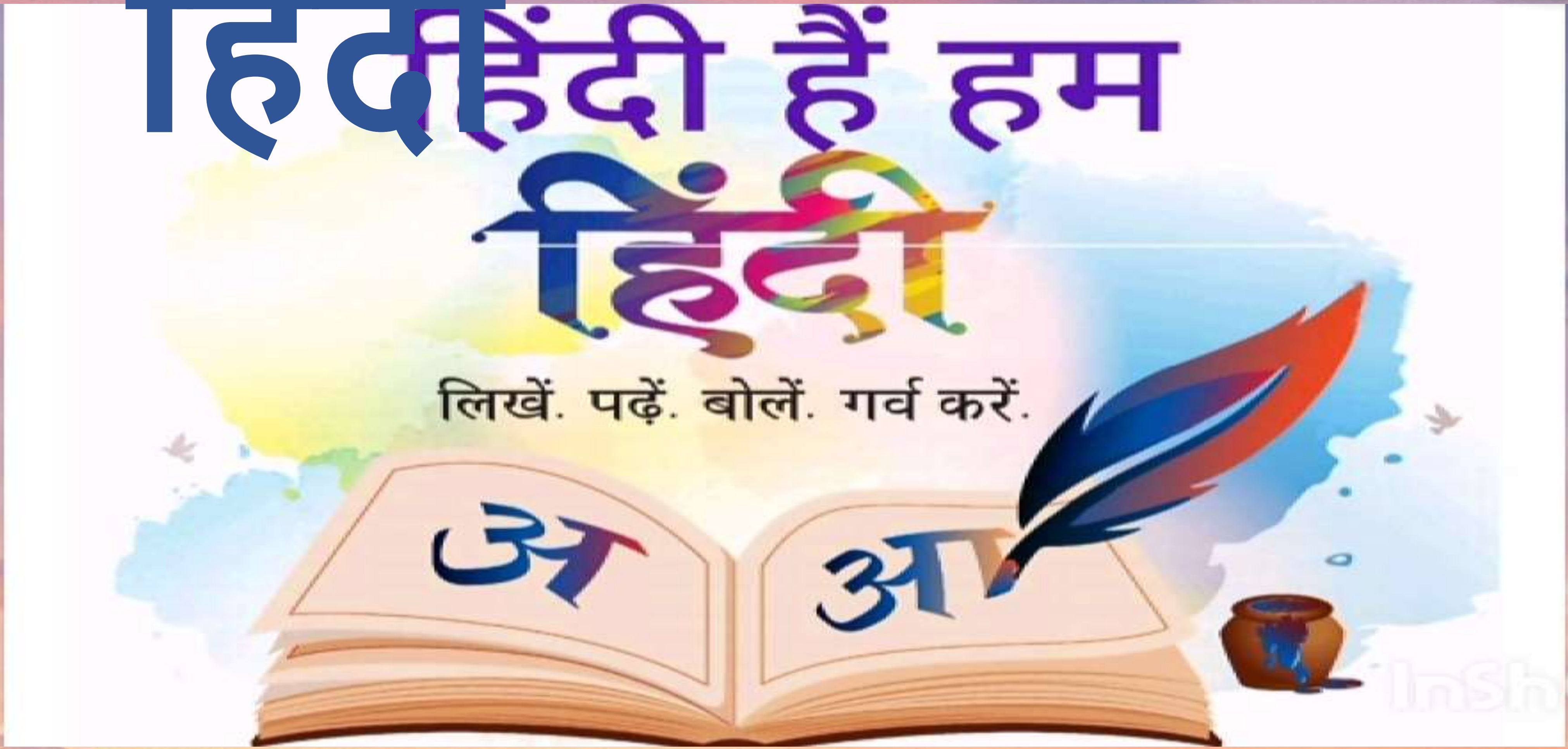

हिंदी विभाग एक नज़र में ....

हिंदी विभाग नेक टीम का हार्दिक अभिनंदन करता है
विभागाध्यक्ष : प्रो. ललिता रामेश्वर

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर {स्वशासी} महाविद्यालय,भोपाल{म.प्र.}
आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है....

राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता

बालेंदु शर्मा 'दाधीच' :
माइक्रोसॉफ्ट के लैंग्वेज डायरेक्टर, तकनीकीविद. विदेशमंत्री एस.जयशंकर जी द्वारा बारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन में गठित सलाहकार समिति के सदस्य.
राज्य भाषा गौरव पुरस्कार से सम्मानित. राष्ट्रपति द्वारा आत्माराम अवार्ड से सम्मानित.

का

हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. ललिता रामेश्वर को संदेश.

Atmaram Award for propagation of scientific temper in the society
Rashtrapati Bhavan, 19 April 2016

बालेन्दु शर्मा 'दाधीच'

हमारा लक्ष्य/उद्देश्य

एक राष्ट्र एक राष्ट्रभाषा

विश्व भाषा हिन्दी
एक
‘कल्पतरु’

- हमारा लक्ष्य/उद्देश्य
एक राष्ट्र एक राष्ट्रभाषा

कलम अपनी साध

कवि भवानी प्रसाद मिश्र के शब्दों में –

कलम अपनी साध और मन की बात बिल्कुल ठीक कह एकाध

यह कि तेरी भर न हो तो कह

और बहते बने सादे ढंग से तो बह

जिस तरह हम बोलते हैं.....

कलम अपनी साध

उस तरह तू लिख और इसके बाद भी

हमसे बड़ा तू दिख

चीज़ ऐसी दे की स्वाद सर चढ जाए

बीज बो की जिसकी बेल बन बढ जाए

फल लगे ऐसे की सुख रस सार और समर्थ

प्राण संचारी की शोभा भर न जिसका अर्थ....

-भवानी प्रसाद

विश्व हिंदी सम्मेलन (अतरराष्ट्रीय)

विश्व हिंदी सम्मेलन (अंतरराष्ट्रीय) :-हिंदी विभाग की प्रो. ललिता रामेश्वर ने उच्च शिक्षा विभाग एवं सरोजिनी नायडू शासकीय उच्चतर कन्या महाविद्यालय भोपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्यारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।०७ वीडियो यूट्यूब पर अद्यतन...

संदर्भ में इनबॉक्स

Ashok Kumar
kumarkewal1989, rajendra.j.pra...
28 जुल॰ विवरण देखें

महोदय/महोदया,

विदेश मंत्रालय, हिंदी प्रभाग को आपको बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आपने जो आलेख प्रेषित किया था उसके चयन हेतु एक उच्चस्तरीय निर्णायक समिति का गठन किया गया था, उस समिति ने आपके आलेख को उपयुक्त पाया है और आपके आलेख को 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में प्रस्तुत करने हेतु स्वीकार कर लिया गया है। अत: मॉरिशस में होने वाले 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान आप अपना आलेख प्रस्तुत कर सकते है। सम्मेलन में प्रतिभागिता के लिए आप अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2018 है।

हमारा गौरव (राष्ट्रीय) राजभाषा अधिकारी

१ आकृति द्विवेदी- जिनका चयन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में राजभाषा अधिकारी के पद पर एवं द्वितीय चयन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया वर्तमान में राजभाषा अधिकारी के पद पर शोभायमान

भारत की गौरवशाली बेटी मेघा परमार ,मध्य प्रदेश की पहली महिला माउंट एवरेस्ट विजेता ,मध्य प्रदेश सरकार की ब्रांड एंबेसडर का लिया साक्षात्कार-प्रो. ललिता रामेश्वर

हमारा गौरव (राष्ट्रीय)

साक्षी राय राजभाषा अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक का विभाग में स्वागत

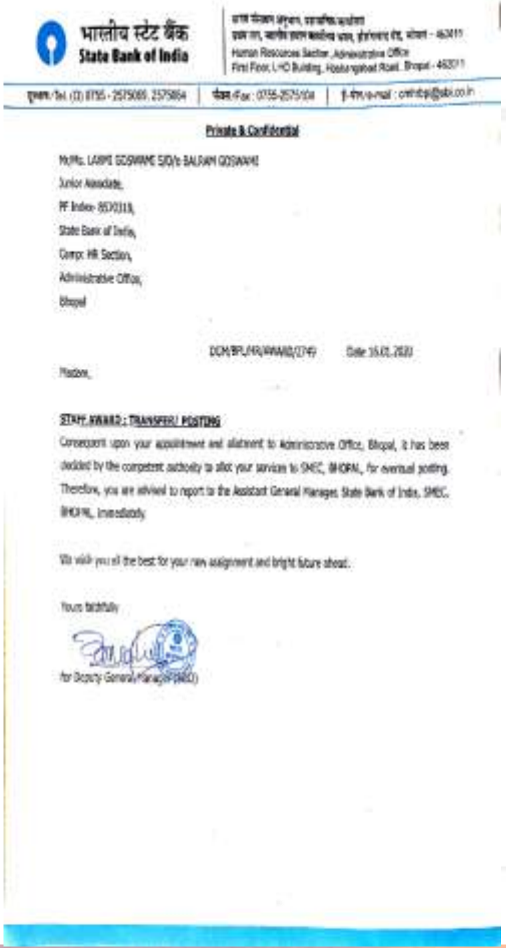

भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India

Human Resources Section, Administrative Office
First Floor, LHO Building, Hoshangabad Road, Bhopal - 462011

Private & Confidential

Mr/Ms. LAXMI GOSWAMI S/D/o BALRAM GOSWAMI
Junior Associate,
PF Index- 8570318,
State Bank of India,
Comp: HR Section,
Administrative Office,
Bhopal

DCM/BPL/HR/AWARD/2749   Date 15.01.2020

Madam,

STAFF AWARD : TRANSFER/ POSTING

Consequent upon your appointment and allotment to Administrative Office, Bhopal, it has been decided by the competent authority to allot your services to SMEC, BHOPAL, for eventual posting. Therefore, you are advised to report to the Assistant General Manager, State Bank of India, SMEC, BHOPAL, Immediately.

We wish you all the best for your new assignment and bright future ahead.

Yours faithfully

for Deputy General Manager (HR)

हिंदी विकिपीडिया सदस्य (अंतरराष्ट्रीय)

प्रो.ललिता रामेश्वर जी इस समय विकिपीडिया फाउंडेशन की परियोजना हिंदी विकिपीडिया पर हैं। हिंदी विकिपीडिया ज्ञानकोष है,जो ज्ञान को बांटने एवं उसका प्रचार करने में विश्वास रखने वाले दुनिया भर के योगदान करने वालों द्वारा लिखा जाता है और इस परियोजना में वर्तमान में 7,46,217 पंजीकृत सदस्य हैं। हमें खुशी है कि आप भी इनमें से एक हैं।

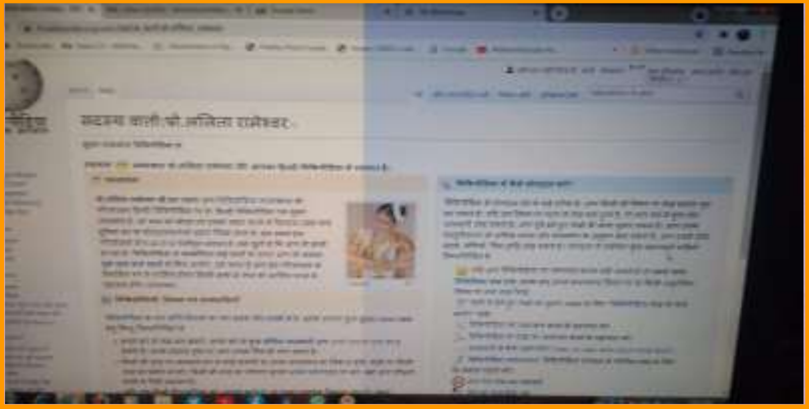

हिंदी विभाग की शान-गौरव (राष्ट्रीय)

नेंसी नेगी, बी.ए.द्वितीय वर्ष

राजकुमारी कुशवाह, बी.ए.द्वितीय वर्ष एन.एस.एस.

आरती उइके, बी.ए.प्रथम वर्ष एन.सी.सी.

गीतांजलि भैरम {एम्.ए.द्वितीय वर्ष},**स्कूल शिक्षा में चयन**

गीतांजलि भैरम
{एम्.ए.द्वितीय वर्ष}
भैरम 'माँ तुझे सलाम'

UGC नेट पास {पूर्व छात्रा} सुश्री रौशनी

बीना गुर्जर, तीरंदाज

विकेश गुर्जर{पूर्व छात्रा}
राजभाषा अधिकारी
पी.एन.बी.

इंटरनेशनल कबड्डी प्लेयर रजनी तोमर

लक्ष्मी गोस्वामी,पूर्व छात्रा,क्लर्क [बेंक ऑफ़ इंडिया]

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी- कोरिया

सियोल कोरिया में विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण विषय पर व्याख्यान - प्रो.ललिता रामेश्वर

हमारी छात्राओं की उपलब्धियाँ

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर युवा काव्यगोष्ठी का आयोजन

दुष्यंत संग्रहालय में आज कवि गोष्ठी

स्वदेश

महारानी लक्ष्मी बाई की जयंती आज

भोपाल की वीरांगनाएं लक्ष्मीबाई से प्रेरित होकर कर रही मिसाल कायम

स्वदेश

दुकानदार देवी-देवता के चित्र वाले पटाखें नहीं बेचें, आग लगने पर चित्र जल और बिखर जाते हैं

हिंदी विभाग की हस्ती-वर्तमान समय की महत्वपूर्ण साहित्यिक हस्ताक्षर...कथाकार 'उर्मिला शिरीष'

विश्व हिन्दी दिवस-१०:१:२३{अंतर्राष्ट्रीय}

सरोजिनी नायडू शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल के इतिहास में पहला अवसर था जब हिंदी विभाग द्वारा 10 जनवरी 2023 को एनसीसी इकाई के सहयोग से 'विश्व हिंदी दिवस'का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी की विश्वव्यापकता एवं हिंदी की महत्ता से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। लगभग 100 से अधिक छात्राओं की प्रतिभागिता रही। कई छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य वक्ता- डॉ ललिता त्रिपाठी
कार्यक्रम की संयोजक- डॉ कीर्ति शर्मा एवं सहसंयोजक- डॉ संदीपा कालभोंर रही।

https://youtu. /4VNuSexqbe9l0

भारतीय विश्वविद्यालयों में "प्रवासी साहित्य का शिक्षण" पर संगोष्ठी (अंतरराष्ट्रीय)

केंद्रीय हिंदी संस्थान एवं विश्व हिंदी सचिवालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रवासी साहित्य पर शिक्षण' विषय पर व्याख्यान- प्रो. ललिता रामेश्वर

12:12 AM

मुखपृष्ठ

11 जुलाई, 2022

'भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रवासी साहित्य का शिक्षण' पर हुई संगोष्ठी

हैदराबाद। केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार की ओर से 'भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रवासी साहित्य का शिक्षण' विषय पर साप्ताहिक संगोष्ठी आयोजित की गई। ज्ञातव्य है कि शिक्षा जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। ज्ञान दान एवं जीवन के सर्वांगीण विकास में विश्वविद्यालयों की विशिष्ट भूमिका होती है जिस पर राष्ट्र और जीवन जगत की नींव निर्मित होती है। इसमें विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम अहम स्थान रखते हैं जिनमें उत्कृष्ट गुणवत्ता आवश्यक है। साहित्यिक क्षेत्र में प्रवासी साहित्य का अपार भंडार है जिसे भारतीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करने से

12:12 AM

भोपाल से प्रोफेसर ललिता रामेश्वर का मत था कि हम साहित्य और संवेदनाओं को न बाँधें। जहां मनुष्य है वहाँ भावनायें हैं। जापान से जुड़े पद्मश्री डॉ तोमियो मिजोकामी ने भी इस विषय पर गहरी और सकारात्मक रुचि दिखाई। प्रवासी संसार पत्रिका के संपादक डॉ॰ राकेश पाण्डेय का कहना था कि भारतवंशी, गिरमिटिया और प्रवासी आदि अनेक शब्द चलन में हैं किन्तु प्रवासी शब्द अपना विशेष अर्थ ले चुका है। हमें इसे आत्मसात करना चाहिए। प्रवासी तत्वों का निर्धारण रचना के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने बनारसी दास चतुर्वेदी, कृष्ण बिहारी मिश्रा और अर्चना आदि साहित्यकारों के योगदान को रेखांकित किया। केरल के तिरुवन्तपुरम स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो॰ श्रीलता ने बताया कि वहाँ प्रवासी साहित्य पर पर्याप्त शोध कार्य हो रहा है। हमें इसे खेमों में न बांटकर साहित्य के विस्तार के रूप में देखना चाहिए। इसके जटिल विरोधाभासों की पहचान के लिए गहरा विमर्श जरूरी है।

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मण्डल के उपाध्यक्ष एवं इस कार्यक्रम के संरक्षक श्री अनिल जोशी ने माननीय अध्यक्ष, अतिथियों, वक्ताओं और देश-विदेश से उपस्थित विद्वानों की भाषा और प्रवासी साहित्य साधना की प्रशंसा की। ध्यातव्य है कि लगभग

साहित्य संगम राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय भाषा (अंतरराष्ट्रीय) 20 अगस्त 2022

साहित्य संगम
एवं
सत्ताईसवीं पावस व्याख्यानमाला

आयोजक — म. प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति
सह-आयोजक — रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय

निमंत्रण

दिनांक 18 से 21 अगस्त 2022
(प्रातः 10.00 से सायं 6.00)
हिन्दी भवन, पॉलीटेक्निक चौराहा, भोपाल

20.8.22 पूर्वान्ह 10 से 1 बजे तक प्रथम सत्र
विषय – ज्ञान विषयों में हिन्दी लेखन

अध्यक्षता	–	प्रो. रमेशचन्द्र शाह
वक्ता	–	डॉ. नीरजा माधव
		श्री प्रमोद भार्गव
		श्री रामेश्वर मिश्र पंकज
		श्री संजय द्विवेदी
संचालन	–	डॉ. प्रतिभा गुर्जर

20.8.22 अपरान्ह 3 से 6 तक द्वितीय सत्र
विषय – नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं की संभावनाएं

अध्यक्षता	–	प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा
वक्ता	–	प्रो. नरेन्द्र मिश्र
		प्रो. कुसुमलता केडिया
		डॉ. जवाहर कर्नावट
संचालन	–	प्रो. ललिता त्रिपाठी

21.8.22 पूर्वान्ह 10 से 1 बजे तक प्रथम सत्र
विषय – हिन्दी आलोचना में सांस्कृतिक नवोन्मेष

अध्यक्षता	–	श्री मनोज श्रीवास्तव
वक्ता	–	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
		डॉ. इन्दुशेखर तत्पुरुष
		डॉ. इशरत जहाँ
संचालन	–	डॉ. शीला मिश्रा

21.8.22 अपरान्ह 3 से 6 तक द्वितीय सत्र
विषय – महिला लेखन : सशक्तिकरण की दृष्टि

अध्यक्षता	–	प्रो. एस शेषारत्नम
वक्ता	–	श्री नीरज खरे
		डॉ. ललितांम्बा
		श्रीमती उर्मिला शिरीष
		श्री सूर्यकांत नागर
संचालन	–	श्रीमती अनीता सक्सेना

* कृपया समय से दस मिनट पूर्व स्थान ग्रहण करें।
* कृपया कार्यक्रम में मोबाइल साइलेन्ट या बन्द रखें।

विमर्श
हिंदी भवन में पावस व्याख्यान माला तथा साहित्य संगम का तीसरा दिन
हिंदी ने ही जन-जन तक पहुंचाई संस्कृत की महत्ता

पावस व्याख्यानमाला के तीसरे दिन ज्ञान विषयों में हिंदी लेखन पर हुई चर्चा

21-08-2022
हिंदी भवन में पावस व्याख्यान माला...
अपने भीतर अकूत ज्ञान और संपदा समेटे है संस्कृत भाषा

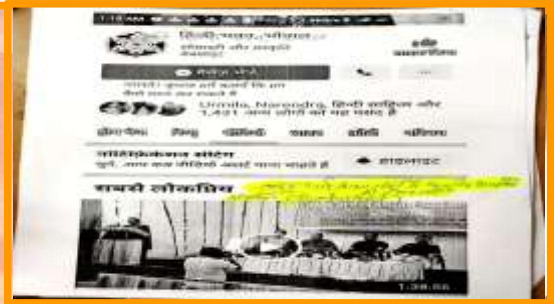

पावस व्याख्यानमाला के तीसरे दिन ज्ञान विषयों में हिंदी लेखन पर हुई चर्चा
वामपंथियों ने संस्कृत को मृत घोषित करने का पूरा प्रयास किया

साहित्य संगम/राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय भाषायें- 18 अगस्त, 2022 से 21 अगस्त, 2022 राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिन्दी भवन, भोपाल- संचालन प्रो. ललिता रामेश्वर एवं हिंदी विभाग की छात्राओं की सहभागिता......

नागपुर विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में प्रोफेसर ललिता रामेश्वर मुख्य अतिथि शोध पत्र- 'साहित्य और मीडिया- वर्तमान संदर्भ'

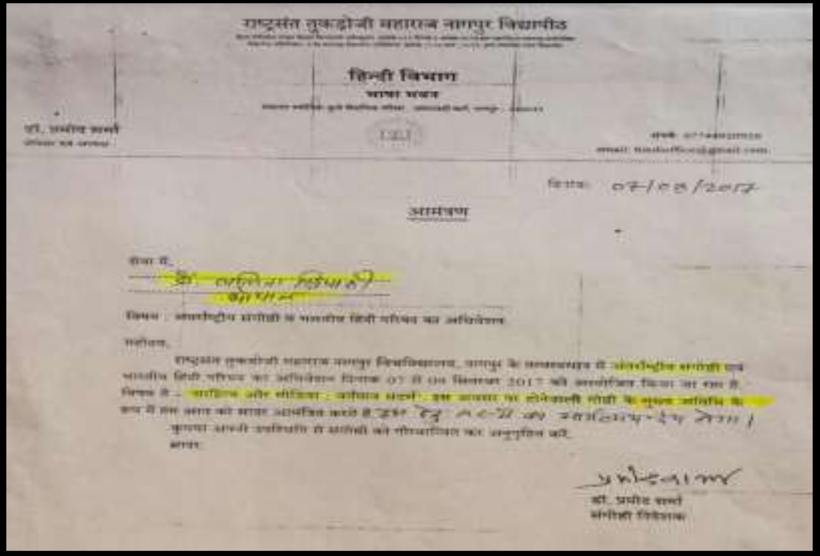

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ

हिन्दी विभाग

दिनांक: 07/08/2017

आमंत्रण

7 लोकमत समाचार • अपना नागपुर — महानगर

व्यावसायिक शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में हो

जानकारों ने कहा कि तो ही यह भाषाएं बच पाएगी, हर विद्यार्थी का है यह संवैधानिक अधिकार

ये आखरी पीढ़ी है

भाषाओं में हो मेल मिलाप

बढ़ेगा आत्मविश्वास

समाज की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है साहित्य व रंगमंच

शिक्षक दिवस (अंतरराष्ट्रीय)

दिनाक 5 सितंबर 2022 को सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय भोपाल के हिंदी विभाग द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमान प्रिंस बाबा (दैनिक भास्कर, समाचार पत्र) डॉ.अर्चना निगम एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ललिता त्रिपाठी उपस्थित रहे, इस अवसर पर स्नातकोत्तर की छात्रा तुलसी यादव डॉक्टर राधाकृष्णन की वेशभूषा में उनके "जीवन से संबंधित संस्मरण" सुनाए, आर्तिक श्रीवास्तव ने वर्तमान समाज में शिक्षक की प्रासंगिकता, रेखा शर्मा ने समदर्शी है नाम तिहारो अंजू ठाकुर ने डॉक्टर राधाकृष्णन की दृष्टि में शिक्षक, साक्षी मिश्रा जीवन में शिक्षक की भूमिका आकांक्षा तिवारी मेरी प्रेरणादायक शिक्षक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम का संचालन दीप्ति गवली एवं आभार प्रदर्शन आर्तिक श्रीवास्तव ने किया।०६ यूट्यूब पर से वीडियो अपलोड (स्क्रीनशॉट्स रिपोर्ट)।

राधाकृष्णन बनकर आईं छात्राओं ने सुनाईं उनके जीवन से जुड़ी रोचक घटनाएं

रिपोर्टर • IamBhopal

पीपुल्स समाचार ०६/०९/२०२२

पेज नं.११

नूतन कॉलेज में शिक्षक दिवस पर हुए कार्यक्रम

डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से जुड़ी कई घटनाओं को किया प्रदर्शित

हरिभूमि न्यूज ›› भोपाल

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्वशासी महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर कई कार्यक्रम हुए। कॉलेज के हिंदी विभाग में राधाकृष्णन के जन्मदिन को बहुत ही अनूठे अंदाज में मनाया। यहां डॉ. राधाकृष्णन के गेटअप में आई छात्राओं ने उनके जीवन से जुड़ी कई रोचक घटनाएं सुनाईं। एक तरह से कहें तो मंच पर स्वयं डॉ. राधाकृष्णन ने आकर अपनी कहानी सुनाई। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.ललिता त्रिपाठी ने छात्राओं को राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा।

हरिभूमि ०६/०९/२०२२

पेज नं ०२

मंच पर आकर डॉ. राधाकृष्णन ने खुद सुनाई अपनी कहानी

भास्कर: ६:९:२२

नूतन कॉलेज

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या महाविद्यालय . नूतन कॉलेज में शिक्षक दिवस पर कई कार्यक्रम हुए। इसमें छात्राओं ने प्रोफेसर्स का सम्मानित किया। इस दौरान कल्चरल प्रोग्राम भी हुए। कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. प्रतिभा सिंह ने बताया कि कॉलेज के हिंदी विभाग में सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन को बहुत ही अनूठे अंदाज में मनाया। यहां डॉ. राधाकृष्णन के गेटअप में आईं छात्राओं ने उनके जीवन से जुड़ी कई रोचक घटनाएं बताईं। एक तरह से कहें तो मंच पर स्वयं डॉ. राधाकृष्णन ने आकर अपनी कहानी सुनाई। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ललिता त्रिपाठी ने छात्राओं को डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। छात्रा तुलसी यादव ने डॉ. राधाकृष्णन के रूप में उपस्थित रह कर उनके जीवन से संबंधित संस्मरण सुनाए।

भास्कर (०६/०९/२०२२)

साक्षात्कार/भेंटवार्ता
डॉ मलय रंजन खरे

हिंदी साहित्य के खोए साहित्यकार प्रो. इंद्र बहादुर खरे के पुत्र डॉ मलय रंजन खरे {प्राचार्य एल.एन.सी.टी.}
से साक्षात्कार /भेंटवार्ता -
प्रो. ललिता रामेश्वर।

हिंदी विभाग- प्रकाशन/

हिन्दी विभाग:-

हमारे प्रकाशन हिंदी विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि है महत्वपूर्ण ग्रंथों का प्रकाशन:

(१)डॉक्टर कीर्ति शर्मा:- हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता एवं विचारधाराएं।

(२)डॉक्टर अर्चना निगम:- संघर्ष से विजयपथ की ओर कैलाश चंद्र पंथ।

(३)डॉक्टर कीर्ति शर्मा:- महाविद्यालय पत्रिका "वाणी" की संपादक।

(४) सुश्री रोशनी :- भाषा और संस्कृति (आधार पाठ्यक्रम: द्वितीय वर्ष)।

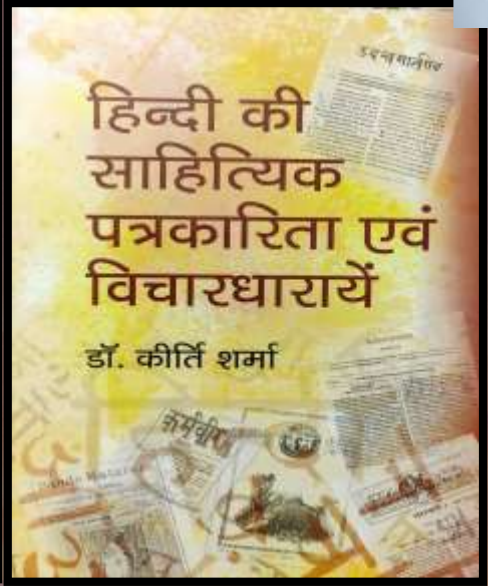

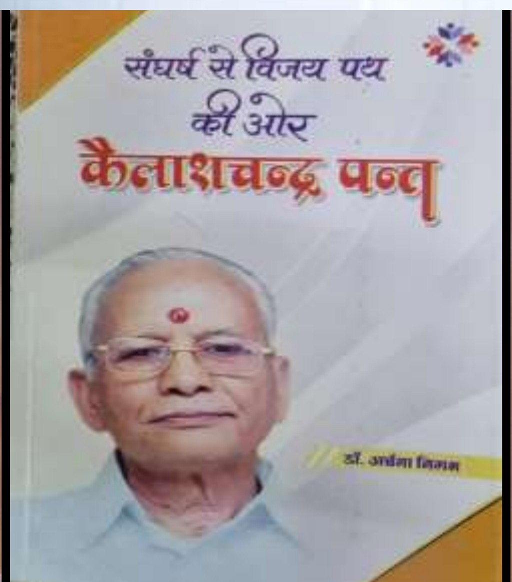

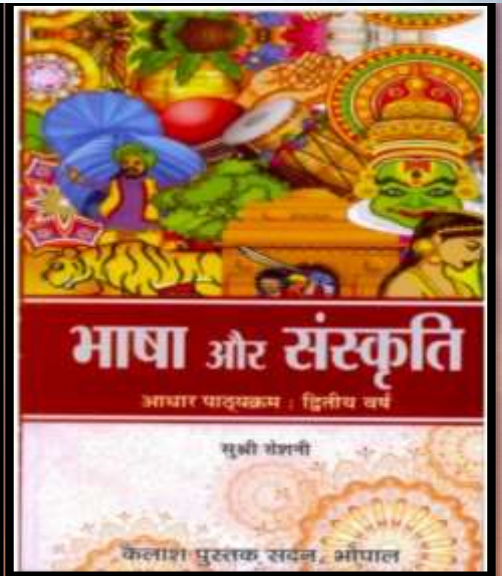

लघुकथा शोध केंद्र भोपाल में मुख्य अतिथि :-प्रो. ललिता रामेश्वर

लघुकथाओं का समावेश स्नातकोत्तर कोर्स में भी हो

सिटी रिपोर्टर | मानस भवन में लघुकथा शोध केंद्र द्वारा लघुकथा की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कैलाश आदमी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नूतन कॉलेज की प्रोफेसर ललिता त्रिपाठी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन जया आर्य ने किया। कार्यक्रम में महिमा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद लघुकथाकार उषा सोनी ने लघुकथाओं का पाठ किया। लघुकथाकार अशोक मनवानी की लघुकथा विद्यामाता और चमक की समीक्षा साहित्यकार गोकुल सोनी और विनोद जैन द्वारा की गई। कार्यक्रम में ललिता त्रिपाठी ने कहा कि विवि के स्नातकोत्तर कोर्स में लघुकथाओं का समावेश होना चाहिए।

20 नवदुनिया भोपाल, रविवार 25 अगस्त 2019 लाइव अपना शहर Our c

शहर के विभिन्न स्थानों पर हुए साहित्यिक आयोजन, मानस भवन में गोष्ठी

जीवन जीने के सिद्धांत और बड़प्पन सिखातीं लघुकथाएं

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

मानस भवन में लघुकथा शोध केंद्र की ओर से शनिवार को लघुकथा की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्यकार कैलाश आदमी ने की, मुख्य अतिथि के रूप में नूतन कॉलेज की प्रोफेसर साहित्यकार ललिता त्रिपाठी भी मौजूद रहीं।

लघुकथाकार उषा सोनी ने 'अपनी माटी, अपने लोग' एवं 'प्रलोभन' लघुकथाओं का पाठ किया, जिसकी समीक्षा सुमन ओबेराय और मालती बसंत ने की। नीना सोलंकी ने 'टीस' एवं 'ऊंचाई' नामक लघुकथाओं का पाठ किया, जिसकी समीक्षा रंजना शर्मा और किरण खोड़के ने की।

मानस भवन में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करतीं हुए महिला लेखिका। • दि

मृदुल त्यागी की लघुकथा 'अफसोस' और 'सेल' की समीक्षा डॉ. गिरजेश सक्सेना और महिमा वर्मा द्वारा की गई। लघुकथाकार डॉ. वर्षा ढोबले की लघुकथा 'पर्यावरण' और 'ढोल' की समीक्षा साहित्यकार अशोक धमेनिया एवं सुरेश कुशवाहा तन्मय ने तथा अशोक मनवानी की लघुकथा 'विद्या माता' और 'चमक' की समीक्षा गोकुल सोनी और विनोद जैन ने की। कांता राय ने लघुकथा की बारीकियों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ललिता त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के लघुकथाकारों का सोचने-समझने का ढंग नवीनतम है। विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर कोर्स में लघुकथाओं का समावेश होना चाहिए।

लघुकथा शोध केंद्र की लघुकथा गोष्ठी

लघुकथाकारों को नए तरीकों से सोचना होगा

भोपाल ● मानस भवन में लघुकथा शोध केंद्र ने लघुकथा की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व समाज सेवी कैलाश आदमी ने की।

मुख्य अतिथि नूतन कालेज की प्रोफेसर साहित्यकार ललिता त्रिपाठी ने कहा कि आज के लघुकथाकारों का सोचने समझने का ढंग नवीनतम है। स्नातकोत्तर कोर्स में लघुकथाओं का समावेश होना चाहिए। इस अवसर पर लघु कथाकार उषा सोनी ने अपनी माटी, अपने लोग और

प्रलोभन लघुकथाओं का पाठ किया। जिसकी समीक्षा सुमन ओबेराय और मालती बसंत ने की। लघुकथाकार नीना सोलंकी ने टीस और ऊंचाई नामक लघुकथाओं का पाठ किया। जिसकी समीक्षा रंजना शर्मा और किरण खोड़के ने की।

भारतीय भाषा दिवस (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) (अंतरराष्ट्रीय)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर दिया गया है।

अतः हिंदी विभाग द्वारा “भारतीय भाषा दिवस” का आयोजन 2 जनवरी 2023 को संगीत विभाग के सहयोग से किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में गायन किया। जिनमें प्रमुख भाषाएं:- मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, संस्कृत, बंगाली, उर्दू के ०५ वीडियो यूट्यूब पर अद्यतन ।

एक चिट्ठी माँ के नाम- अंतरराष्ट्रीय

हिंदी विभाग ने सोशल मीडिया के बदलते स्वरूप पर गंभीर चिंतन करते हुए यह विचार किया कि छत्राएं पढ़ना लिखना भूल रही है। उनके पास और शैली नही है।इस दृष्टि से "एक चिट्ठी मां के नाम" ६ फरवरी २०१८ महाविद्यालय की लोकप्रिय प्रतियोगिता रही जिसमे २७३ चिट्ठियां लिखी गई।यह दैनिक समाचार और राष्ट्रीय चैनल की मुख्य खबर बनी।०६

1:31 PM

केंद्रीय हिंदी संस्थान: 'विश्व...
telanganasamachar.online

केंद्रीय हिंदी संस्थान: 'विश्व हिंदी सम्मेलन' (फ़िजी) विषय पर संगोष्ठी आयोजित, विश्व विद्वानों ने उठाया यह मुद्दा

POSTED ON NOVEMBER 21, 2022 BY ADMIN_TS   POSTED IN TOP NEWS, कला-साहित्य TAGGED KENDRIYA HINDI SANSTHAN, TELANGANA

हैदराबाद: केंद्रीय हिंदी संस्थान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद तथा विश्व हिंदी सचिवालय के तत्वावधान में भारतीय उच्चायोग फ़िजी, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र फीजी एवं वैश्विक हिंदी परिवार की ओर से भाषा विमर्श की श्रृंखला के अंतर्गत बारहवाँ 'विश्व हिंदी सम्मेलन' (फ़िजी)

.राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 65 संगोष्ठी कार्यशाला में सहभागिता, टिप्पणी, वक्तव्य(अंतरराष्ट्रीय)/प्रोफेसर .ललिता रामेश्वर

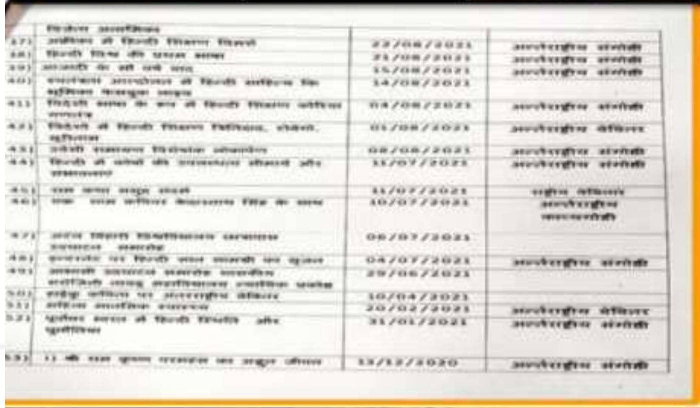

1:31 PM

विमर्श की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की गई। तदोपरांत केंद्रीय हिंदी संस्थान के हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ गंगाधर वानोडे द्वारा बड़े ही संयत भाव और आत्मीय ढंग से माननीय अध्यक्ष जी, विशिष्ट अतिथि, पैनल के वक्ताओं और देश-विदेश से जुड़े सैकड़ों सुधी श्रोताओं का विधिवत स्वागत किया गया। उन्होंने फीजी से जुड़े अनेक विद्वानों का भी विशेष रूप से स्वागत किया।

कार्यक्रम के संचालन का बखूबी दायित्व संभालते हुए स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र फीजी के पूर्व निदेशक संतोष कुमार मिश्र ने अनुभवजन्य नपे-तुले, सधे और संतुलित शब्दों में सबका आदर करते हुए विश्व हिंदी सम्मेलन सलाहकार समिति के सदस्य सच्चिदानंद जोशी से अपना मन्तव्य प्रकट करने का आग्रह किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सचिव सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि

हिंदी दिवस (अंतरराष्ट्रीय)
17 सितंबर 2021 (ऑनलाइन)

17 सितंबर 2021 हिंदी विभाग के इतिहास का स्वर्णिम दिवस है। जिस दिन कोरोना काल की भीषण त्रासदी के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के दिन हमारी छात्राओं ने आवासी कवि सम्मेलन का आयोजन किया।हिंदी कवियों और स्वरचित कविताओं का पाठ किया गया।

आभासीय नूतन कवि सम्मेलन "भूतो-ना–भविष्यति"-यह गतिविधि यूट्यूब पर अपने सबसे ज्यादा ई कंटेंट अर्थात् 36 वीडियो के साथ सुरक्षित ....

कोरोना काल में प्रधान मंत्री जी के जन्मदिवस पर हुआ।

https://youtu.be/HTvtTLhwZ-Q

नूतन कॉलेज में किया ऑनलाइन कवि सम्मेलन का आयोजन

भोपाल। शिवाजी नगर स्थित नूतन कॉलेज द्वारा ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रभाषा बनाम राजभाषा विषय पर व्याख्यान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। ऑन लाइन हुए इस कार्यक्रम में छात्राओं ने कवि निराला, जयशंकर प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त तथा केदारनाथ अग्रवाल की रचनाओं को कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

प्रेमचंद जयंती (ऑनलाइन) 31/07/ 2021 { १६ वीडियो यूट्यूब पर अद्यतन}

‘दीपशिखा’ नूतन कवि सम्मेलन

ज्वलंत समस्याओं से संबंधित मुद्दों पर ऐतिहासिक प्रतियोगिता०४ वीडियो यूट्यूब पर अद्यतन

सरोजिनी नायडू महाविद्यालय में दीपशिखा नूतन हिंदी कवि प्रतियोगिता

50 छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक लेखन प्रतिभा

दृश्यांतर में होंगी 'जलतरंग' की रंग स्मृतियां

14 सितंबर 2022 ऑफलाइन

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल, के हिंदी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस मनाया गया

जिसमे उपस्थित मुख्य अतिथि ,विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर ललिता रामेश्वर ,विभाग के सम्मानित सदस्य एवं छात्राओं द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया।जिसके 18 वीडियो यूट्यूब पर अद्यतन

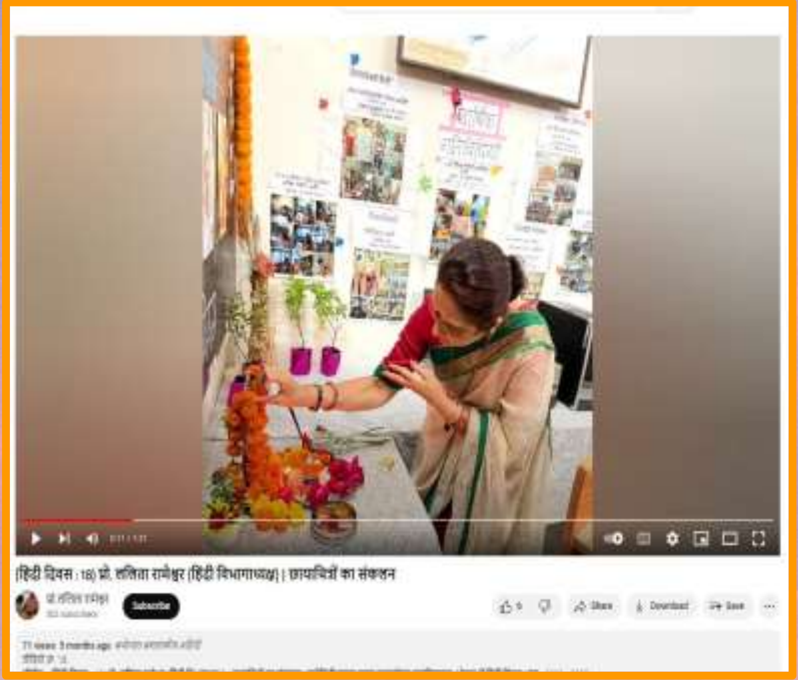

दैनिक भास्कर भोपाल सिटी भास्कर 15-09-2022

'आ स्वतंत्र प्यारे स्वदेश आ...' जैसी कविताओं से गूंजा नूतन कॉलेज

सिटी रिपोर्टर। 'मैं शहीदों का चारण' और 'आ स्वतंत्र प्यारे स्वदेश आ' जैसी कविताएं बुधवार को सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में गूंजी। मौका था 'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी कवियों का योगदान विषय पर आयोजित काव्य पाठ का। छात्राओं ने दिग्गज हिंदी कवियों की रचनाओं का पाठ किया। चीफ गेस्ट दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय) के निदेशक राजुरकर 'राज' रहे। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव और हिंदी विभागाध्यक्ष की प्रो. ललिता त्रिपाठी भी मौजूद रहीं। उधर मैनिट की राजभाषा समिति द्वारा इंटर कॉलेज हिंदी महोत्सव 'सूर्यनाद का आगाज हस्ताक्षर अभियान से हुआ। इस अभियान के माध्यम ने लोगों को हिंदी में हस्ताक्षर करने और हिंदी के गौरव को बढ़ाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

3 अगस्त 2022(ऑफलाइन)
प्रेमचंद एवं मैथिलीशरण गुप्त जयंती अंतरराष्ट्रीय

दिनांक 3 अगस्त 2022 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग प्रेमचंद्र जी एवं मैथिलीशरण गुप्त जयंती का आयोजन कि गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ प्रतिभा सिंह एवं विभाग से स प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थि रहीं। इस अवसर पर छात्राअ प्रेमचंद एवं मैथिलीशरण गुप्त जी के साहित्य संबंधी विषय प अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रेमचंद जयंती पर छात्राओं के यूट्यूब पर व्याख्यान के 10 वीडियो अद्यतन

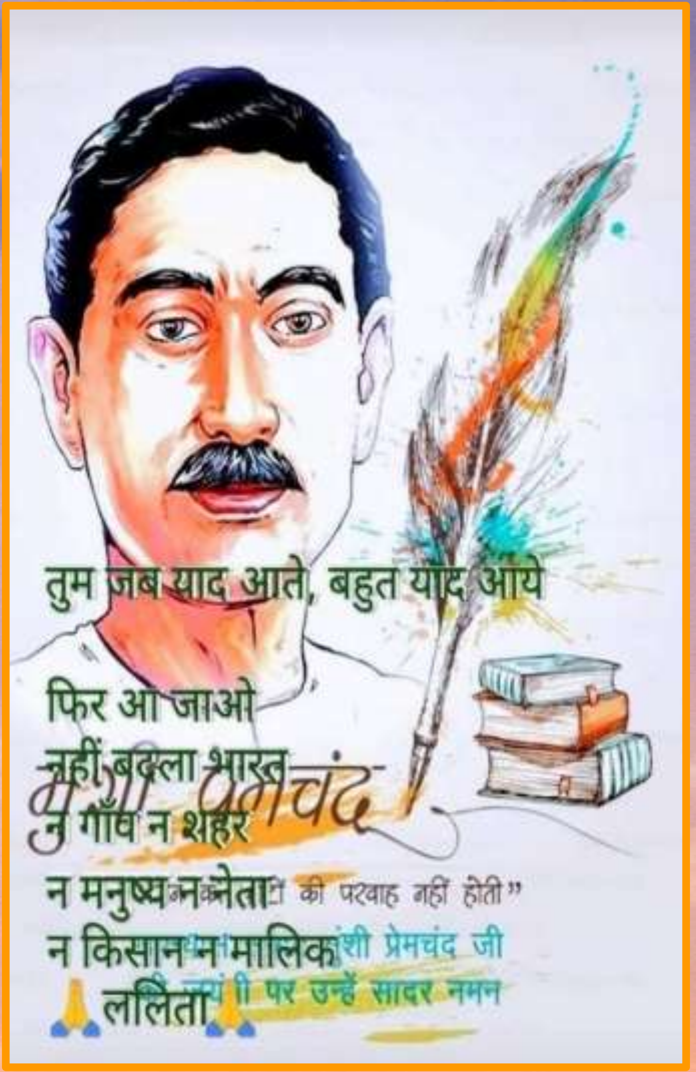

हिंदी में ज्ञान के प्रकाश- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय)15अक्टूबर 2022

हिन्दी में ज्ञान के प्रकाश (राष्ट्रीय शिक्षा नीति)- 16 अक्टूबर, 2022 को माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार द्वारा हिन्दी भाषा में मेडिकल का शुभारंभ भोपाल, म.प्र. से किया गया। इस कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में 15 अक्टूबर, 2022 को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी में ज्ञान के प्रकाश' कार्यक्रम किया गया, जिसमें हिन्दी भाषा में चिकित्साशास्त्र के साथ अन्य विषयों में पढ़ाई के महत्व को बताया गया।साथ ही भारतीय भाषाओ के नाम का दीप प्रज्वलित किया गया। प्राचार्य रजनी श्रीवास्तव एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ललिता रामेश्वर उपस्थित थी।

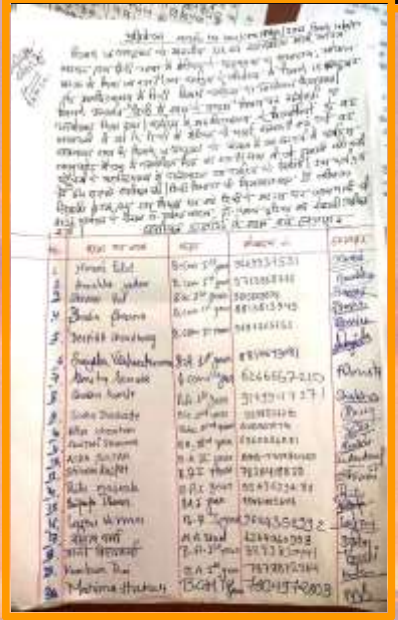

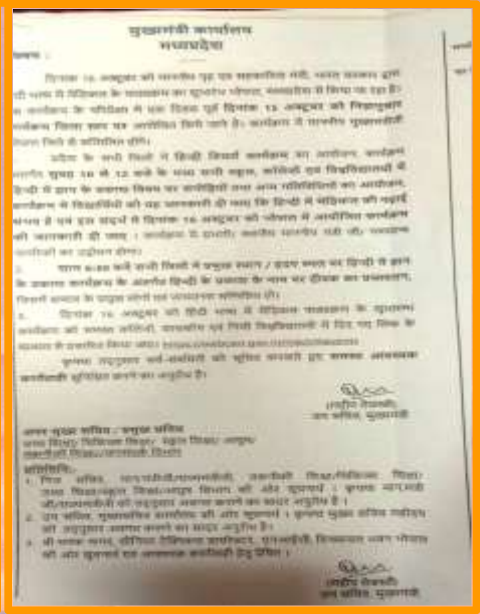

रोजगारोन्मुखी परियोजना का निर्माण (राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विषयों का चयन)

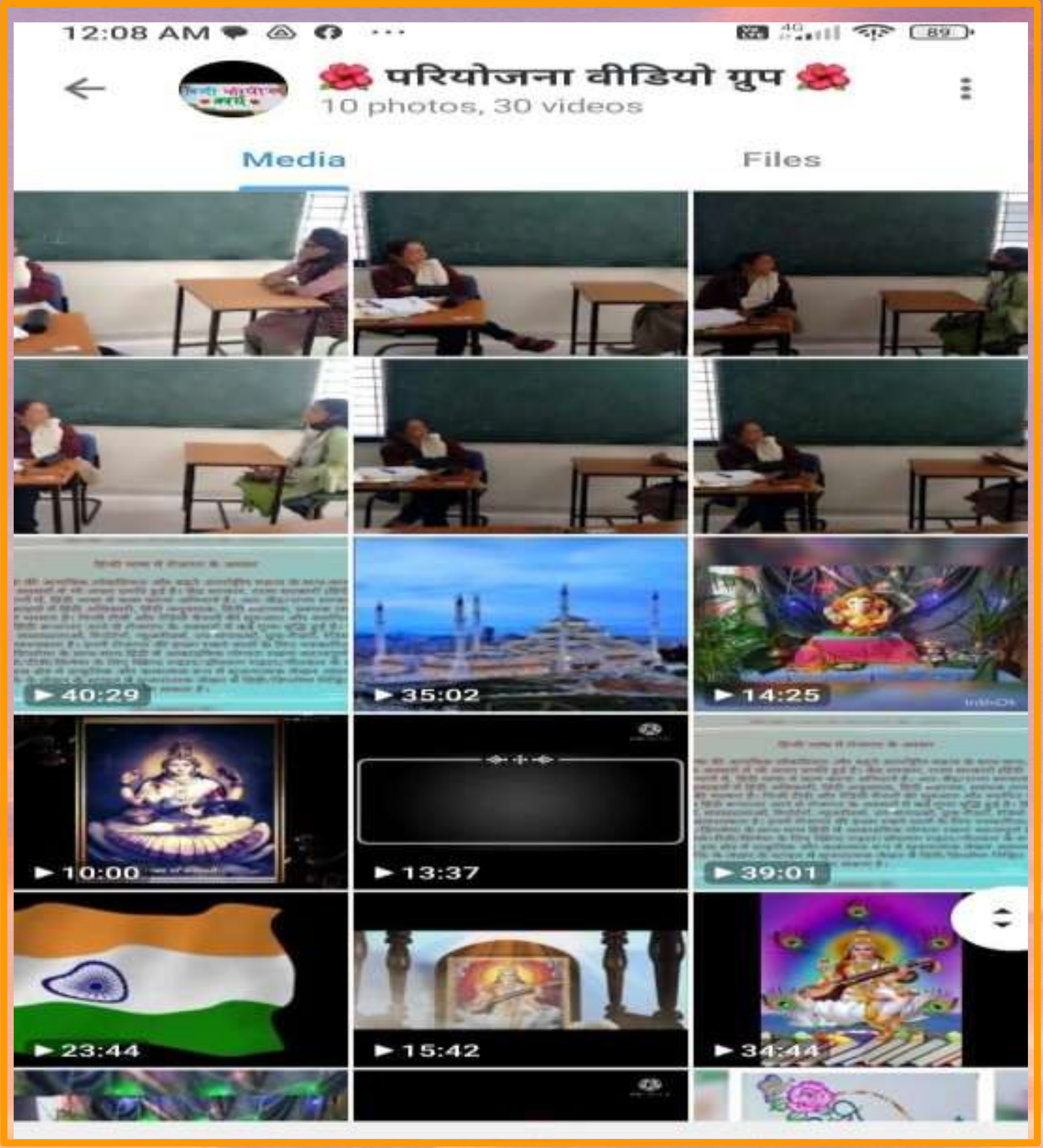

छात्र केन्द्रित शिक्षण कार्य

शैक्षणिक भ्रमण

ई कंटेंट गतिविधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (अंतरराष्ट्रीय) हिंदी-विभाग

हिंदी साहित्य परिषद छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सोशल मीडिया ग्रुप के साथ खड़ा है,यूट्यूब,इंस्टाग्राम, ट्विटर,फेसबुक पर लगातार उसकी गतिविधियां८५ वीडियो

हमारे विद्यार्थी ब्लॉग लेखन में अग्रणी बने २७ ब्लॉग ई- कंटेंट (अंतरराष्ट्रीय) ब्लॉग लेखन - ई कंटेंट के युग में इस वर्ष हमारी छात्राओं ने पदार्पण किया ब्लॉग खाते में और बनाए भाषा विज्ञान जैसे कठिन विषय के २७ ब्लॉग। यह हमारी बहुत महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

विद्यार्थी शोधपत्र ७४ लेखन/वाचन यू-ट्यूब व्यू {अन्तर्राष्ट्रीय-ई-कंटेंट} ३८ शोधपत्र लेखन / वाचन की परंपरा हिंदी विभाग में लगातार चल रही है। इस वर्ष शोधपत्र वाचन के वीडियो भी हमने यूट्यूब पर अपलोड किया।

प्रो. ललिता रामेश्वर चैनल- यूट्यूब व्यू {अद्यतन}

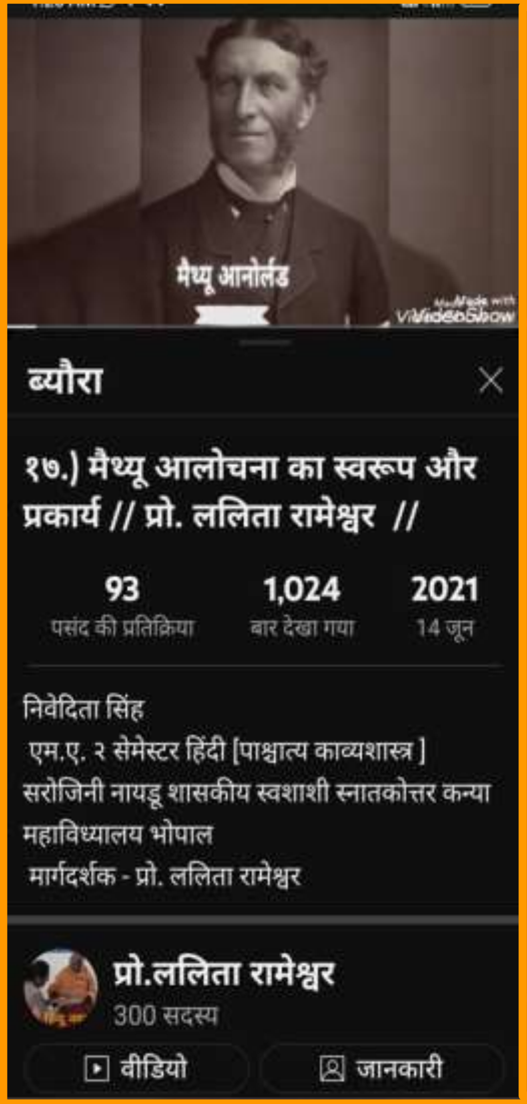

हमारी गतिविधियों के गूगल व्यू

. सोशल मीडिया अद्यतन -ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक,हिंदी साहित्य परिषद(अंतरराष्ट्रीय)हिंदी-विभाग,हिंदी साहित्य परिषद छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सोशल मीडिया युग के साथ खड़ा है,यूट्यूब,इंस्टाग्राम, ट्विटर,फेसबुक पर लगातार उसकी गतिविधियां अद्यतन होती रहती हैं.....

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

बेटिया तो है
ईश्वर का
उपहार,
मत छीनो
इनके जीने
का अधिकार

धन्यवाद